तापमान

अधिकतम 24.2 डिग्री

न्यूनतम 14.2 डिग्री

हरिभूमि

जशपुर-रायगढ़ भूमि

बिलासपुर, मंगलवार, 28 अक्टूबर 2025

[पत्थलगांव | कुनकुरी | बगीचा | फरसाबहार | कांसाबेल | दुलदुला | मनोरा]

जशपुर बना छत्तीसगढ़ का रॉक क्लाइम्बिंग हब, देशदेखा ने बढ़ाई रोमांच की ऊचाइयां

4

खबर संक्षेप

जनसमस्या निवारण शिविर अब 9 जनवरी को

अम्बिकापुर। जिले विकासखण्ड सीतापुर के ग्राम सरगा में जिला स्तरीय जनसमस्या निवारण शिविर का आयोजन अब शुक्रवार, 9 जनवरी को किया जाएगा। पूर्व में यह शिविर ग्राम गेरसा में 31 अक्टूबर को आयोजित होना निर्धारित था किंतु अपरिहार्य कारणों से तिथि एवं स्थल में आंशिक संशोधन किया गया है। कलेक्टर द्वारा जारी आदेश में स्पष्ट किया गया है कि सभी विभाग प्रमुख एवं कार्यालय प्रमुख निर्धारित तिथि पर शिविर स्थल पर अनिवार्य रूप से उपस्थित रहकर नागरिकों की समस्याओं के त्वरित निराकरण हेतु पूर्व में दिए गए निर्देशों का पालन सुनिश्चित करें।

शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता का शुभारंभ आज

अम्बिकापुर। स्कूल शिक्षा विभाग के तत्वावधान में 25वीं राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता 2025 का शुभारंभ समारोह 28 अक्टूबर को प्रातः 11 बजे शासकीय बहु उद्देशीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय अम्बिकापुर के खेल परिसर में आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पर्यटन, संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल शामिल होंगे वहीं समारोह की अध्यक्षता सरगुजा सांसद चिंतामणी महाराज करेंगे। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में विधायक लुण्ड्रा प्रबोध मिंज, विधायक सीतापुर राम कुमार टोप्पो, छग गृह निर्माण मंडल अध्यक्ष अनुराग सिंहदेव, छग राज्य युवा आयोग अध्यक्ष विश्वविजय सिंह तोमर, ननि महापौर श्रीमती मंजूषा भगत, जिपं सरगुजा अध्यक्ष श्रीमती निरूपा सिंह, ननि सभापति हरमिंदर सिंह एवं जिपं उपाध्यक्ष देव नारायण यादव उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम का आयोजन जिला प्रशासन एवं जिला आयोजन समिति, अम्बिकापुर द्वारा किया जा रहा है। इस प्रतियोगिता में राज्य के विभिन्न जिलों से आए छात्र-प्रतिभागी भाग लेंगे। खेल प्रतियोगिता के माध्यम से विद्यार्थियों में खेल भावना, अनुशासन, नेतृत्व क्षमता एवं टीम भावना को प्रोत्साहन मिलेगा। बताया जा रहा है कि इन दिनों सोशल मीडिया में दो अलग अलग वीडियो वायरल हो रहे है। वायरल वीडियो में बलंगी चौकी में पदस्थ पुलिसकर्मियों के साथ लोगों के द्वारा मारपीट की जा रही है। पहला वीडियो 21 अक्टूबर की रात का बताया जा रहा है। बलंगी चौकी के सामने संचालित ठेले के पास एक ग्रामीण ने नशे में धुत आरक्षक सुरेंद्र की पिटाई कर दी। वीडियो में आरक्षक को ग्रामीण 4 से 5 थप्पड़ लगाते हुए दिखाई दे रहा है। इसके साथ ही दूसरा वीडियो 23 अक्टूबर की सुबह का है। ग्रामीणों की भीड़ के सामने एक युवक ने नशे में धुत एएसआई नंदलाल को थप्पड़ जड़ दिया। इस दौरान एएसआई नशे में लडखडा रहा है। यह पूरी घटना भाजपा के पूर्व मंडल अध्यक्ष की मौजूदगी में घटी। स्थानीय दबंगों ने शराब के नशे में धुत पुलिसकर्मियों को खदेड़-खदेड़कर पीटा। वीडियो सामने आने के बाद पुलिस महकमे में हड़कंप मचा हुआ है।

प्रदेश के लिए की सुख समृद्धि और खुशहाली की कामना

मुख्यमंत्री ने सपत्नीक दुलदुला छठ घाट में डूबते सूर्य को दिया अर्घ्य

हरिभूमि न्यूज ⏭ जशपुरनगर

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय और उनकी धर्मपत्नी श्रीमती कौशल्या साय ने आज छठ महापर्व त्यौहार के अवसर पर दुलदुला छठ घाट में डूबते सूर्य को अर्घ्य देकर प्रदेश के सुख समृद्धि और खुशहाली की कामना की।

■ दुलदुला छठ घाट के सौन्दर्यकरण की घोषणा

मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों को छठ पूजा की हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि आज बड़े ही सौभाग्य का दिन है कि मुझे अपने विधानसभा क्षेत्र में छठ पर्व में शामिल होने का अवसर मिला। मुख्यमंत्री ने दुलदुला क्षेत्र वासियों की मांग पर छठ घाट के सौन्दर्य करण की घोषणा की उन्होंने कहा कि अगले छठ पूजा तक दुलदुला छठ घाट का सौन्दर्य करण कर दिया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि क्षेत्र लोगों के आशीर्वाद से ही विधायक, सांसद और मुख्यमंत्री बना हूं। क्षेत्र की जनता की समस्याओं को अच्छी तरह से समझता हूं और समाधान भी करते जा रहा हूं। उन्होंने कहा कि कुनकुरी छठ घाट के लिए लगभग 5 करोड़ 17 लाख की राशि से छठ का घाट का सौन्दर्यकरण किया गया। इस वर्ष के छठ महापर्व में व्रती महिलाएं छठ घाट में पूरे श्रद्धा भाव से पूजा अर्चना भी कर रही है। इस अवसर पर जिला पंचायत उपाध्यक्ष शौर्य प्रताप सिंह जूदेव, जनपद पंचायत दुलदुला अध्यक्ष रामकुमार सिंह, आईजी दीपक कुमार झा, कलेक्टर रोहित व्यास, पुलिस अधीक्षक शशिमोहन सिंह सहित छठ पूजा करने वाली व्रती महिलाएं और जनप्रतिनिधीगण और ग्रामीणजन बड़ी संख्या में मौजूद थे।

छठ पर्व का महत्व

छठ पर्व हिंदू धर्म का एक अत्यंत पवित्र और लोक आस्था से जुड़ा पर्व है, मुख्य रूप से बिहार, झारखंड, पूर्वी उत्तर प्रदेश, नेपाल सहित सभी राज्यों में आस्था श्रद्धा और उत्साह से मनाया जाता है। यह पर्व सूर्य देव और छठी मैया को समर्पित है।

छठ पर्व का धार्मिक महत्व सूर्य उपासना

सूर्य देव को जीवन, ऊर्जा, और स्वास्थ्य का स्रोत माना गया है। छठ पूजा में सूर्य की आराधना करके श्रद्धालु उनके प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हैं। छठी मैया की पूजा को संतान की रक्षा करने वाली और सुख-समृद्धि देने वाली देवी माना जाता है। महिलाएँ अपनी संतान की लंबी उम्र और परिवार की खुशहाली के लिए व्रत रखती हैं।

पवित्रता और संयम

यह व्रत अत्यंत कठोर होता है इसमें व्रती (उपासक) पूरी तरह शुद्धता, आत्मसंयम और आस्था के साथ चार दिनों तक उपवास, स्नान, और पूजा करता है।

छठ पर्व का सामाजिक और सांस्कृतिक महत्व

सामूहिकता और एकता का प्रतीक छठ पूजा में समाज के सभी लोग मिलकर घाट सजाते हैं, प्रसाद बनाते हैं और एक साथ पूजा करते हैं।

संतान की सुख समृद्धि के लिए अस्ताचलगामी सूर्य को व्रतियों ने दिया अर्घ्य

कोतबा। सोमवार की शाम छठ पूजा पर शाम को अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य देकर व्रतियों ने संतान के सुखी जीवन की कामना की गई। छठ पूजा के लिए कोतबा वार्ड क्रमांक 8 में सुकवासुपारा स्थिति तालाब व वार्ड 11 के हाईस्कूल के असुरबन्ध तालाब को श्रद्धालुओं द्वारा साफ सफाई कर सजाया गया था। इससे पहले छठ पर्व के दूसरे दिन व्रतियों ने खरना कर छठ मइया की आराधना की गई। वहीं शाम को खरना का प्रसाद खाने के लिए लोग छठ व्रतियों के घर आते जाते रहे।

इस वजह से शाम को भी नगर में चहलपहल रही। व्रतियों के घर भी प्रसाद वितरण में लोग व्यस्त रहे। सूर्यास्त के समय रसियाव खाकर व्रतियों ने 36 घंटे का निर्जला व्रत धारण कर लिया है। संतान के सुखी जीवन के लिए सूर्यदेव और छठी मइया की आराधना का चार दिवसीय महापर्व छठ शनिवार से शुरू हो चुका है। रविवार की सुबह से ही खरना के लिए लोग ने तैयारी शुरू कर दी थी। गुड़ व गाय के दूध से बनी खीर का प्रसाद तैयार कर छठ मइया एवं अपने कुल देव को भोग लगाया। साथ ही सूर्यदेव को अर्घ्य देकर व्रत रखा गया। सोमवार की शाम कोतबा के सुकवासुपारा स्थिति तालाब में 4 व्रती महिलाएं व असुरबन्ध तालाब में 1 व्रती महिलाओं ने अलग अलग दो स्थानों पर बने छठ घाट में कुल 5 व्रती पानी में खड़े होकर अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य दिए । इस दौरान श्रद्धालु सूर्य भगवान की पूजा करते हैं और बांस से बने सूप में तमाम तरह के फल लेकर उनका भोग लगाते हैं। बाद में छठ प्रसाद बनाया जाता है। प्रसाद के रूप में ठेकुआ और चावल के लड्डू बनाते हैं। मंगलवार को उगते हुए सूर्य को अर्घ्य देकर व्रतियों द्वारा का पारण किया जाएगा और छठ पर्व का समापन होगा। श्रद्धालु युवाओं में बताया कि यह पर्व स्वच्छता व शुद्धता का प्रतीक है। इस लिए वे आज सुबह से ही व्रतियों के घर से लेकर छठ घाट सुकवासुपारा स्थिति तालाब असुरबन्ध तालाब तक मुख्य मार्ग व तालाब के रास्ते को झाड़ू कर साफ सफाई की जिसके बाद गाय गोबर से लेपन कर छठ घाट का शुद्धिकरण किया गया। छठ घाटों के रास्ते में व्रतियों के स्वागत को जगह-जगह तोरणद्वार लगाए गए हैं। छठ महापर्व की सारी तैयारी युवाओं ने एकजुटता के साथ स्वेच्छा भाव से किया। छठ घाट के मार्गों को रंगबिरंगी इलेक्ट्रिक लाइटों व हैलोजन से सजाया गया है। तीसरे दिन सूर्य देव की पूजा होती है। डूबते हुए सूर्य को जल और दूध से अर्घ्य दिया जाता है। इस दिन ठेकुआ, मौसमी फल और अन्य प्रसाद सूर्य देव को चढ़ाए जाते हैं। यह दिन बहुत ही विशेष माना जाता है और श्रद्धालु पूरी निष्ठा के साथ उपवास रखते हैं। डूबते हुए सूर्य देव को दूध और जल से अर्घ्य दिया जाता है। यह दिन छठ पर्व का सबसे भावनात्मक और भक्तिमय पल होता है, जब महिलाएं घाट पर परिवार की सुख-समृद्धि और संतान की लंबी आयु की कामना करती हैं। चौथे दिन सुबह उगते हुए सूर्य को अर्घ्य देकर व्रत का समापन किया जाता है, जिसे उषा अर्घ्य कहा जाता है। इस तरह चार दिन चलने वाला यह पर्व श्रद्धा, संयम और सूर्य भक्ति का प्रतीक है।

चार साल पूर्व झारखंड से आया 18 हाथियों का दल, जिले भर में मचा रहे उत्पात

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोतबा

चौकी क्षेत्र से महज 3 किलोमीटर दूर ग्राम पंचायत पतराटोली में बीती रात यानी रविवार को 33 हाथियों का दल जमकर उत्पात मचाया. देर रात लगभग 12 बजे पत्थलगांव वन परिक्षेत्र के ग्राम झिमकी के जंगल की ओर से आ धमके.33 हाथियों के दल ने पहाड़ किनारे घर बनाकर रह रहे ग्रामीण को धराशाही कर चकनाचूर कर दिया जबकि 4 किसानों के खेतों में परिपक्व हो चुके धान की फसल पैरों से रौंदकर बर्बाद कर दिया. इस घटना से ग्रामीण सहमे हुये हैं.हालांकि वन विभाग के द्वारा नुकसान के आंकलन के बाद मुआवजे देने की बात कही जा रही हैं।

■ अब इनकी संख्या 34 में तब्दील..!

पत्थलगांव वन परिक्षेत्र अधिकारी व रेंजर कृपासिंधु पैंकरा ने बताया कि विगत दो तीन दिनों से झिमकी के जंगल मे इन 33 हाथियों का दल डेरा जमाया हुआ है.कल रात यानी रविवार को अचानक 12 बजे झिमकी और खमगड़ा के अंजीरझरिया नाला होकर ग्राम पतराटोली आ धमके उन्होंने बताया कि जंगल किनारे रहने वाले एक ग्रामीण के मकान को तोड़ दिया हैं. जबकि 4 किसानों के फसलो को भारी नुकसान पहुचाएं हैं. उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में ये हाथियों का दल अंजीरझरिया नाला में डेरा जमाए हुये हैं. उन्होंने कहा कि वन विभाग द्वारा पीड़ति किसानों के साथ उनकी संवेदनाएं हैं. क्षतिपूर्ति के आंकलन के बाद उन्हें मुआवजा प्रदान किया जायेगा।

बरहाल विभाग गांव में अलर्ट हैं और लोगों जंगलों की ओर नही जाने और गांव में मशाल जलाने सहित अन्य रूप से जागरूकता किया जा रहा हैं।

झारखंड से आए 4 साल पूर्व 18 हाथी अब 34 हुए

पत्थलगांव रेंजर कृपासिंधु पैंकरा ने बताया कि 4 साल पहले इन हाथियों का झुंड 18 की संख्या में जशपुर पहुंचा था.इन चार वर्षों में इनकी संख्या अब 34 हो गई हैं. जिसमें से एक हाथी दल से बिछड़कर उड़ीसा भाग निकला अब इनकी संख्या 33 ही गई हैं. इन 33 हाथियों का दल पत्थलगांव वन परिक्षेत्र सहित लुड़ेगा, झिमकी, खमगड़ा, बिछीकानी सहित जिले भर के विभिन्न क्षेत्रों में विचरण कर रहें है।

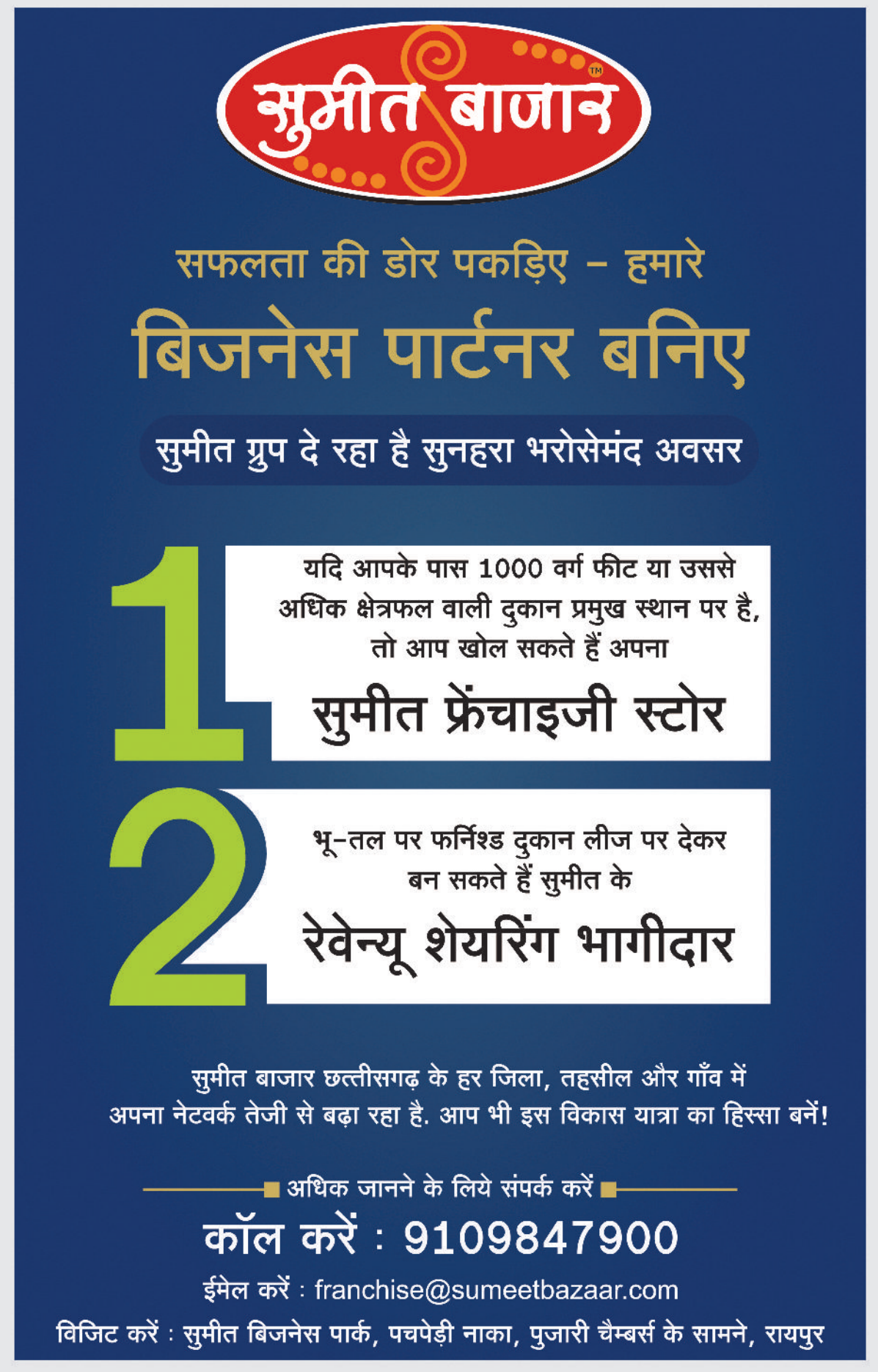

महिला नगर सैनिकों ने किया शस्त्रों के साथ मार्च पास्ट, परिजनों ने बढ़ाया उत्साह

नवनियुक्त महिला नगर सैनिकों का दीक्षांत समारोह

हरिभूमि न्यूज ⏭ जशपुरनगर

नगर सेना मुख्यालय रानी बगीचा परिसर में रविवार को महिला नगर सैनिकों का दीक्षांत एवं मार्च पास्ट समारोह बड़े हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। इस अवसर पर नवनियुक्त महिला नगर सैनिकों ने शस्त्रों के साथ अनुशासित मार्च पास्ट कर अपनी कुशलता, परिश्रम और प्रशिक्षण की उत्कृष्टता का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम स्थल पर गूंजती तालियों ने पूरे परिसर का वातावरण गौरवमय बना दिया।

99 महिला सैनिकों ने पूरा किया प्रशिक्षण: नगर सेना अधिकारी विपिन किशोर लकड़ा ने बताया कि जशपुर जिले के लिए नगर सेना में कुल 100 अभ्यर्थियों का चयन किया गया था, जिनमें से 99 महिला सैनिकों ने सफलतापूर्वक प्रशिक्षण पूरा किया। एक अभ्यर्थी किसी कारणवश प्रशिक्षण में शामिल नहीं हो पाई। अब सभी प्रशिक्षित सैनिकों को विभिन्न स्थानों पर उनकी पोस्टिंग दी जाएगी।

भावुक क्षणों के बीच छलके आंसू: समारोह में नगर सैनिकों के परिजन भी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। प्रशिक्षण अवधि के दौरान ये सभी महिला सैनिक अपने घर नहीं जा पाई थीं। दीक्षांत समारोह में अपने परिजनों से मिलकर भावनात्मक और गर्व से भरे क्षण देखने को मिले। ड्रेस में अपनी बेटियों को देखकर कई माताओं और पिताओं की आंखों से खुशी के आंसू छलक पड़े।

मधु साय चौहान बनीं प्रेरणा की मिसाल: ग्राम पंचायत पंडरीपानी (पत्थलगांव) की मधु साय चौहान ने बताया कि उन्होंने स्वयं तैयारी कर यह सफलता हासिल की है। उनके परिवार में पहले कोई भी सरकारी नौकरी में नहीं था। देश सेवा का अवसर मिलना मेरे जीवन का सबसे बड़ा सम्मान है।" उन्होंने अपनी बेटियों को भी मेहनत और लगन से आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। वहीं झरगांव (दुलदुला) निवासी सपना बाई, ने बताया कि वे अपनी बहन से प्रेरित होकर नगर सेना में शामिल हुईं। उनके पिता बोचो राम महतो ने कहा कि बेटी की यह उपलब्धि पूरे परिवार के लिए गौरव का क्षण है।

'हम समाज और देश के लिए तैयार हैं" — सरस्वती चौहान: इसी तरह सरस्वती चौहान, जिन्होंने एम.कॉम. और कंप्यूटर की शिक्षा प्राप्त की है, ने बताया कि 45 दिनों का प्रशिक्षण अत्यंत कठोर था। प्रतिदिन आठ घंटे की ड्यूटी के दौरान अनुशासन, आत्मरक्षा और आपदा प्रबंधन का प्रशिक्षण दिया गया।

खबर संक्षेप

साहित्यकार सत्येंद्र के दूसरे कविता संग्रह का विमोचन

सोनगरा/सलका अधिना। विकासखंड भैयाथान के ग्राम बैजनाथपुर में ग्रामीण परिवेश में बढ़े सत्येंद्र कुमार गुप्ता द्वारा रचित कविता संग्रह शब्दों की अभिव्यक्ति का विमोचन संघ कार्यालय सेवा कुंज में नागेश नाथ योगी, दुर्गा चरण सिंह, नरेश सोनी, दिनेश सिंह, अनीश गुप्ता, विजय शर्मा, जिला पंचायत अध्यक्ष चन्द्रमणि देवपाल पैकरा, जिला पंचायत सदस्य बाबूलाल मराप्पो द्वारा किया गया। सत्येंद्र गुप्ता वर्तमान में शाकउमा सोनगरा में भौतिक विज्ञान के व्याख्याता पद पर पदस्थ हैं। कार्यक्रम में विभाग समरसता प्रमुख अरुण कनोजे, विरेश सिंह, बलदाऊ, विनोद वैष्णव सहित अन्य उपस्थिति रहे।

नगर साहू संघ की नई समिति गठित, बीड़ी लाल बने अध्यक्ष

रामानुजगंज। छत्तीसगढ़ प्रदेश साहू संघ के मार्गदर्शन पर तथा जिला अध्यक्ष रामसेवक गुप्ता की उपस्थिति में साहू समाज धर्मशाला में नगर

अध्यक्ष साहू संघ की नई कार्यकारिणी समिति का गठन किया गया। जिसमें अध्यक्ष बीड़ी लाल गुप्ता, महामंत्री अंकित गुप्ता, कोषाध्यक्ष पवन गुप्ता, उपाध्यक्ष राजू गुप्ता, मंजू गुप्ता, शोभा गुप्ता, हरिओम गुप्ता, सचिव दीपू गुप्ता को बताया गया है। साहू समाज के नवनियुक्त नगर अध्यक्ष बीड़ी लाल गुप्ता पूर्व में जनपद पंचायत के उपाध्यक्ष रह चुके हैं। वर्तमान में उनकी पत्नी जनपद पंचायत रामचंद्रपुर की सभापति हैं, जो निर्विरोध जनपद सदस्य निर्वाचित हुई थीं।

भाग रहे हत्यारे को पकड़ने वाले युवकों को किया गया सम्मान

अम्बिकापुर। शहर में विगत दिनों बालिका की हत्या कर भाग रहे अपराधी को पकडने वाले गुरुदेव सिंह एवं हर्ष सिमरन सिंह को शाल श्रीफल, स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। इस दौरान पीजी कॉलेज के पूर्व प्राचार्य डॉ. एसपी त्रिपाठी, डॉ. अनिल कुमार सिन्हा, विकास अधिकारी लवकेश बघेल, राजेन्द्र अग्रवाल, देवपाल सिंह, अधिवक्ता पंकज गुप्ता, हरपाल सिंह बाबरा, पूर्व पार्षद प्रमोद चौधरी, डॉ. सुशील मिश्रा, विकास श्रीवास्तव, सुशील तिवारी, योगेन्द्र चौबे आदि उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन पतंजलि योग समिति के सह राज्य प्रभारी कमलेश सोनी ने किया।

बकरी ने दिया 8 पैरों वाले मादा शावक को जन्म

बिहारपुर। विकासखण्ड ओड़गी अंतर्गत दूरस्थ ग्राम कोल्हुआ में एक बकरी ने असामान्य मादा शावक को जन्म दी है। जन्म के 15 मिनट बाद ही शावक की मौत हो गई। ग्राम कोल्हुआ बोकरा टोला निवासी रामकेश साहू की बकरी ने शनिवार को दो मादा शावकों को जन्म दिया। एक शावक के आठ पैर, तीन कान एवं दो कमर जबकि दूसरा मादा शावक सामान्य है। आठ पैर वाले असामान्य शावक को देख पशुपालक सहित आसपास के लोग हैरान थे। जन्म के 15 मिनट बाद ही असामान्य मादा शावक की मौत हो गई। जैसे ही लोगों को इसकी भनक लगी लोग मृत शावक को देखने रामकेश्वर के घर पहुंचने लगे।

अत्यधिक रक्तस्राव से गंभीर प्रसूता की गई जान

अम्बिकापुर। प्रतापपुर अस्पताल में प्रसव के गंभीर हुई प्रसूता की मेडिकल कॉलेज अस्पताल में मौत हो गई। चिकित्सकों ने महिला की अत्यधिक रक्त स्त्राव होने पर मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर किया था। परिजन ने प्रसव कराने में लापरवाही बरतने का आरोप लगाया है।जानकारी के अनुसार प्रतापपुर थाना अंतर्गत ग्राम गोटगवां निवासी समतिया पति गौरीशंकर (34 वर्ष) शनिवार को प्रसव पीड़ा बढ़ जाने पर परिजन उसे प्रतापपुर अस्पताल में भर्ती कराया। चिकित्सकों ने समतिया का प्रसव कराया तो वह स्वस्थ शिशु को जन्म दी। इस बीच प्रसूता को रक्त स्त्राव होने पर जिससे उसकी हालत काफी बिगड़ गई। चिकित्सकों ने महिला की हालत गंभीर होने पर मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर कर दिया जहां उपचार के दौरान कुछ समय बाद प्रसूता की मौत हो गई। परिजन ने प्रसव में लापरवाही बरतने का आरोप लगाया है। मामले में पुलिस ने मर्ग कायम करने के पश्चात लाश का पोस्टमार्टम कराकर परिजन के सुपुर्द किया है।

छठ घाटों में उमड़ी भीड़, तैयारियां पूर्ण, सुरक्षा के किए गए इंतजाम

अस्ताचल सूर्य को दिया गया अर्घ्य, खीर भोजन के साथ हुई कठिन व्रत की शुरुआत

हरिभूमि न्यूज ⏭ अम्बिकापुर

सूर्योपासना का महापर्व छठ शुरू हो गया है। रविवार को खरना के दिन व्रती महिलाओं ने घाट बंधान के साथ ही विधि विधान से पूजा अर्चना की। इसके साथ शाम को खीर भोजन कर कठिन व्रत की शुरुआत की और सोमवार को अस्ताचल सूर्य को अर्घ्य दिया गया। व्रती अब उदीयमान सूर्य को अर्घ्य देने के बाद अपने व्रत का समापन करेंगे। इधर छठ पूजा को लेकर छठ घाटों में तैयारियां भी लगभग पूर्ण हो गई है और सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए है। इसके साथ ही पुलिस विभाग ने भारी वाहनों के मार्ग परिवर्तित किए है। वहीं छठ पूजा को लेकर बाजार में लोगों की भीड़ देखने को मिली। बड़ी संख्या में लोगों ने सूपा, दौरी, गन्ना, दिया व अन्य पूजन सामग्रियों की खरीददारी की।

चार दिवसीय शारदीय छठ पूजा को लेकर श्रद्धालुओं द्वारा व्यापक पैमाने पर तैयारियां की गई थी। समितियों द्वारा छठ घाटों की साफ सफाई करने के साथ ही साज सज्जा की गई है जबकि प्रतिवर्ष उमड़ने वाली भीड़ के मद्देनजर छठ घाटों का विस्तार किया गया है जबकि टेंट पंडाल, जगराता कार्यक्रम, पूजा के लिए दूध, ठंड से बचने के लिए अलाव की व्यवस्था की गई है। शहर के शंकरघाट स्थित छठ घाट में मां महामाया छठ सेवा समिति के साथ ही घुनघुट्टा खर्रा नदी पर श्याम घुनघुट्टा सेवा समिति द्वारा व्यापक पैमाने पर तैयारियां की गई है। इसके साथ ही शहर के मरीन ड्राइव, शिवधारी कॉलोनी तालाब, शिव सागर बांध तालाब, महामाया तालाब सहित अन्य छठ घाटों भी में जोर शोर से तैयारियां की गई है। छठ पूजा के तहत शनिवार को व्रतियों ने नहान खान के साथ पूजा की शुरुआत की जबकि रविवार को घाट बांधने व खीर भोजन के बाद व्रतियों के कठिन व्रत की शुरुआत की। व्रती महिलाएं सोमवार को अस्ताचल सूर्य को पहला अर्घ्य देंगी जबकि 28 अक्टूबर को उदीयमान सूर्य को अर्घ्य देने के बाद छठ पूजा का समापन किया जाएगा।

सांसद, विधायक ने लिया छठ घाट की तैयारियों का जायजा

राजपुर। उत्तर वाहिनी गेउर नदी तट पर छठ महापर्व की तैयारियां अब अंतिम चरण में पहुंच गई हैं। पूजा के दूसरे दिन खरना पूजा के अवसर पर श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए सरगुजा सांसद चिंतामणि महाराज एवं सामरी विधायक उद्देश्वरी पैकरा ने घाट स्थल का निरीक्षण किया। दोनों जनप्रतिनिधियों ने मौके पर पहुंचकर तैयारियों का जायजा लिया और व्यवस्था में कमी पाए जाने पर संबंधित अधिकारियों को तत्काल सुधार के निर्देश दिए। एसडीएम देवेंद्र प्रधान ने मौके पर आरईएस विभाग के अधिकारियों से चर्चा करते हुए निर्देश दिया कि छठ पर्व के बाद शीघ्र ही स्थायी छठ घाट निर्माण कार्य प्रारंभ किया जाए। घाट स्थल पर वॉटरप्रूफ पंडाल, तीनों ओर से सीढ़ियों की व्यवस्था, तथा पूरे मैदान में पानी छिड़काव जैसी व्यवस्थाएं पूरी कर ली गई हैं। श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए पुलिस बल तैनात किया गया है। समिति के सदस्यों ने सांसद चिंतामणि महाराज से स्थायी विद्युत व्यवस्था की मांग रखी। उन्होंने बताया कि वर्तमान में घाट पर अस्थायी एक फेस लाइन से बिजली व्यवस्था की गई है, जिसे स्थायी करने की आवश्यकता है। सांसद ने तत्काल अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि घाट पर 25 केवी का ट्रांसफार्मर लगाया जाए। निरीक्षण के दौरान नगर पंचायत अध्यक्ष धरम सिंह, एसडीएम देवेंद्र प्रधान, नायब तहसीलदार नरेंद्र कंवर, समिति के अध्यक्ष महेंद्र अग्रवाल, आदि नगर वासी थे।

खर्रा नदी छठ घाट में उमड़ी लोगों की भीड़

शहर के शंकरघाट स्थित छठ घाट के बाद अब सबसे अधिक भीड़ घुनघुट्टा खर्रा नदी पर श्याम घुनघुट्टा सेवा समिति द्वारा किए जा रहे छठ पूजा आयोजन में उमड़ रही है। साफ व बहते पानी के साथ ही प्राकृतिक सौन्दर्य से भरपूर घाट को लेकर लोगों में विशेष आकर्षण है। समिति द्वारा भी छठ घाट में व्यापक पैमाने पर तैयारियां की गई है आकर्षक साज सज्जा के साथ लगभग 2 हजार घाट तैयार किए गए है। घाट पर बनारस से आए विद्वानों द्वारा विधि विधान से गंगा आरती की जाएगी जबकि समिति द्वारा जगराता का आयोजन भी किया गया है जिसमें भोजपुरी कलाकार प्रवीण सिंह भक्ति गीतों की प्रस्तुति देंगे। इसके साथ ही पूर्व डिप्टी सीएम टीएस सिंह देव की पहल पर एक करोड़ की लागत से निर्मित शिव सागर बांध में भी व्यापक तैयारियां है। घाट बंधान के दौरान पूर्व डिप्टी सीएम टीएस सिंहदेव, जिलाध्यक्ष कांग्रेस बाल कृष्ण पाठक व राकेश गुप्ता ने घाटों का दौरा किया और व्रतियों से मुलाकात की।

व्रतियों ने आज छठ घाटों में विधि विधान पूर्वक पूजा अर्चना कर किया घाट बंधान

सूरजपुर। छठ पर्व को लेकर नगर के विभिन्न छठ घाटों की तैयारियां पूर्ण कर ली गई है। आज बड़ी संख्या में व्रतियों ने छठ घाटों में विधि विधान पूर्वक पूजा अर्चना कर घाट बंधान किया। सोमवार को श्रद्धालुओं द्वारा अस्ताचल सूर्य को पहला अर्घ्य दिया जाएगा।

परिवार की सुख समृद्धि की कामना को लेकर मनाए जाने वाला भगवान सूर्य के उपासना का महापर्व छठ नगर में धुमधाम से मनाया जा रहा है।आज बड़ी संख्या में व्रतियों ने छठ घाटों में विधि विधान पूर्वक पूजा अर्चना कर घाट बंधान किया। 27 अक्टूबर को अस्ताचल सूर्य को पहला अर्घ्य एवं 28 अक्टूबर को उदीयमान सूर्य को अर्घ्य देकर छठ महापर्व का समापन होगा। छठ घाट समिति के अध्यक्ष गणेश सोनी ने बताया छठ घाट में व्रतियों को उतरने के लिए एक किनारे में तो सीढ़ी लगभग चार वर्ष पहले बन गया था परन्तु दूसरे किनारे में आज तक सीढ़ी का निर्माण नहीं हो सका है। उन्होंने बताया कि छठ के समय कई जनप्रतिनिधियों का आवागमन होता है परन्तु आज तक सिढी निर्माण का महज आश्वासन ही दिया गया है जो धरातल पर कार्य नहीं दिखाई दे रहा है। सीढी निर्माण नहीं होने से श्रद्धालुओं को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है।

शुरू हुआ लोकआस्था का महापर्व छठ

सीतापुर। डूबते सूरज को अर्घ्य देने के बाद घाट बंधाई के साथ सूर्यदेव को समर्पित महापर्व छठ पूजा शुरू हो गया। इस दौरान बाजारडांड एवं साई मंदिर के पास स्थित तालाब किनारे निर्मित छठ घाट पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी थी। विदित हो चार दिनों तक चलने वाला लोकआस्था का महापर्व छठ पूजा की शुरुआत शनिवार से शुरू हो गई थी। रविवार को अस्तगामी सूर्य को अर्घ्य देने के बाद व्रती मीठा खीर का प्रसाद ग्रहण करते है। इसके अगले दिन 24 घँटे का निर्जला व्रत रखते हुए चौथे दिन उदयगामी सूर्य को अर्घ्य देने के साथ छठ महापर्व का समापन किया जाता है। छठपूजा को लेकर प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी बाजारडांड एवं साई मंदिर के पास स्थित तालाब का नगर पंचायत द्वारा साफ सफाई कराई गई है। इसके साथ ही छठ घाटों में साज सज्जा की गई है। व्रतियों के साथ श्रद्धालुओं के घाट में रुकने की पूरी व्यवस्था नगर पंचायत द्वारा की गई है।

सूर्य उपासना का महापर्व छठ पूजा धूमधाम से प्रारंभ

रामानुजगंज। सूर्य उपासना के महापर्व छठ पूजा का शुभारंभ शनिवार को नहाय-खाय के साथ हुआ। आज व्रत के दूसरे दिन सैकड़ों की संख्या में व्रती महिलाएं कनहर नदी तट पर पहुंचीं, जहां विधि-विधान से स्नान, ध्यान और थाला पूजन किया। नदी से जल भरकर व्रती महिलाएं घर लौटीं और पूजा की तैयारियों में जुट गईं। शाम को खीर-भोजन के साथ खरना संपन्न होगा, जिसके बाद व्रती महिलाएं 36 घंटे के कठिन निर्जला उपवास की शुरुआत करेंगी। सोमवार की शाम व्रती महिलाएं अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य अर्पित करेंगी और मंगलवार की सुबह उदीयमान सूर्य को अर्घ्य देकर छठ महापर्व का समापन होगा। छठ पर्व को लेकर नगर में व्यापक तैयारियां की गई हैं।

फारेस्ट टुकुडांड ने ट्राईब्रेकर में कपसरा को हराया, खिताब किया अपने नाम

हरिभूमि न्यूज ⏭ प्रतापपुर

ग्राम गोटगंवा में आयोजित नार बुमकाल ओपन नॉकआउट फुटबॉल प्रतियोगिता का फाइनल मुकाबला रविवार को संपन्न हुआ। फाइनल मैच फारेस्ट टुकुडांड और कपसरा की टीमों के बीच खेला गया। दोनों टीमों ने बेहतरीन प्रदर्शन किया, लेकिन निर्धारित समय तक कोई भी टीम गोल नहीं कर सकी। जिसमे बाद मुकाबले का फैसला ट्राईब्रेकर से किया गया, जिसमें फारेस्ट टुकुडांड की टीम ने शानदार खेल दिखाते हुए विजयी रही और ट्रॉफी अपने नाम की।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि विद्यासागर सिंह ने कहा कि खेल केवल जीत-हार का माध्यम नहीं, यह जीवन में अनुशासन और एकता का प्रतीक है। खिलाड़ी जब मैदान में उतरता है, तो वह पूरे गांव और समाज की पहचान बन जाता है। खेल भावना हमें संघर्ष और सफलता का सच्चा अर्थ सिखाती है। हार से घबराना नहीं, बल्कि हर बार बेहतर प्रदर्शन करना ही सच्चे खिलाड़ी की पहचान है। ग्राम गोटगंवा में हुए इस आयोजन ने क्षेत्र में खेलों के प्रति उत्साह को नई दिशा दी है और युवाओं को प्रेरणा देने का काम किया है। इस दौरान विशिष्ट अतिथि पिछड़ा वर्ग कांग्रेस के प्रदेश महामंत्री नवीन जायसवाल,एसडीओ अनूप एक्का, त्रिभुवन सिंह टेकाम, थाना प्रभारी अमित कौशिक, छोटेलाल तिर्की, राजू सिंह आयाम, गोल्डी खान, डॉ. नारायण टेकाम, देवचंद पंडो के अलावा आयोजन समिति में चन्द्रिका प्रसाद आयाम, शम्भू मरावी, अपोलो कुजूर, मुकेश आयाम, जयप्रकाश खलखो, सुदामा पोया, रामसाय आयाम, रामबिलास मरावी, रोशन जगत, रामकिशुन पोया, देवनारायण आयाम सहित बड़ी संख्या में खेल प्रेमी मौजूद रहे।

प्रकाश पर्व के उपलक्ष्य में सिख समाज की नगर में निकाली जा रही प्रभात फेरी

बिश्रामपुर। सिक्ख धर्म के संस्थापक एवं प्रथम गुरु श्री गुरुनानक देव जी के प्रकाश पर्व के उपलक्ष्य में सिक्ख समाज द्वारा हर वर्ष की भांति इस बार भी सदियों से चली आ रही परम्परा अनुसार नगर में प्रभात फेरी निकालने का शुभारम्भ हो गया है, रविवार को प्रथम दिन सिक्ख सेवादार हॉस्पिटल कॉलोनी निवासी सुखदेव सिंह के गृह निवास पर सेवा कराई गई,सुबह तड़के करीब सवा पांच बजे बड़ी संख्या में श्रद्धालु व साध संगत गुरुद्वारा गुरु सिंह सभा से निशान साहेब लेकर गुरबाणी शबद कीर्तन करते हुए हॉस्पिटल कॉलोनी पहुंचे, यहाँ पर रागी जत्थे ज्ञानी अमरदीप सिंह प्रीत एवं अजीत सिंह प्रीत द्वारा संगत के समक्ष शबद कीर्तन किया गया, अरदास समाप्ति पश्चात नाश्ते प्रसाद की सेवा की गई, सोमवार को दूसरी प्रभात फेरी की सेवा पूर्व प्रधान व सिक्ख सेवादार रणवीर सिंह भामरा द्वारा गुरुद्वारा में रखाई गई है,प्रभात फेरी के दौरान सिक्ख समाज के जसबीर सिंह टीटू,परमजीत सिंह जूनियर,अवतार सिंह मान,हरजीत सिंह सैनी,गुरदीप माखीजा,निंदर सिंह खालसा,मनी बग्गा,गगनदीप सिंह बग्गा,मनप्रीत सिंह सोहल,परमजीत सिंह टीटे,मंजीत सिंह उपस्थित रहे।

- रविवार को शबद कीर्तन के साथ हुई शुरुआत

कीटनाशक पीने की गंभीर छात्रा की गई जान

अम्बिकापुर। उदयपुर थाना अंतर्गत ग्राम भदवाही जामडीह निवासी नीतू आ. राम जगत (15 वर्ष) ग्राम खमरिया में कक्षा 11वीं में पढ़ाई करती थी। 22 अक्टूबर को नीतू का जन्मदिन था और वह घर में अकेली थी जबकि परिजन किसी काम से बाहर गए थे। परिजन वापस घर लौटे तो नीतू के मुंह से झाग निकलते देख पूछताछ की लेकिन बालिका कुछ नहीं बताई। परिजन उसे शहर के निजी अस्पताल में भर्ती कराया जहां बालिका की मौत हो गई।

कीटनाशक से गंभीर ग्रामीण की उपचार के दौरान मौत

अम्बिकापुर। प्रेमनगर अंतर्गत ग्राम कचंनपुर निवासी मान सिंह आ. शिव रतन (65 वर्ष) 17 अक्टूबर को अज्ञात कारण से कीटनाशक पी लिया। इधर घटना की जानकारी लगने पर परिजन उसे सूरजपुर अस्पताल में भर्ती कराया। चिकित्सकों ने ग्रामीण की हालत गंभीर होने पर मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर कर जहां उपचार के दौरान ग्रामीण की मौत हो गई। सूचना पर पुलिस ने मर्ग कायम करने के पश्चात शव का पोस्टमार्टम करा परिजन के सुपुर्द किया है।

पात्र कोल कर्मी को कम्पनी आवास आबंटित करने हेतु जीएम समेत निदेशक को लिखा गया पत्र

बिश्रामपुर। साउथ ईस्टर्न कोयला मजदूर कांग्रेस इंटक के क्षेत्रीय महामंत्री अजीत कुमार यादव ने एसईसीएल क्षेत्रीय महाप्रबंधक सहित कंपनी के निदेशकों को पत्र लिखकर क्षेत्र के वन बी 44 नंबर क्वार्टर में अवैध रूप से काबिज व्यक्ति से कब्जा खाली कराकर पात्र कोल कर्मी को उक्त आवास आबंटन कराये जाने की मांग की है,महाप्रबंधक को लिखित शिकायत में अजीत यादव ने उल्लेख किया है कि अविनाश सिंह द्वारा गलत तरीके से उक्त आवास को लगभग चार से पांच वर्षों से कब्जा कर नियम विरुद्ध तरीके से उक्त कम्पनी आवास का लाभ ले रहा है,जबकि वह और उसका परिवार वन बी टाइप क्वार्टर के इंटाइटल श्रेणी में नहीं आता है।

करण की फिल्म से बॉलीवुड में डेब्यू करेंगे भुवन बाम

मुंबई। यूट्यूबर से अभिनेता बने भुवन बाम अब ओटीटी के बाद अब बॉलीवुड में अपने बड़े डेब्यू को तैयार हैं। पिछले कुछ वक्त से ऐसी खबरें आ रही थीं कि भुवन बाम करण जौहर के धर्मा प्रोडक्शन की फिल्म से बॉलीवुड में अपना डेब्यू करने जा रहे हैं। अब खुद भुवन बाम ने ये कंफर्म कर दिया है और अपने इस बिग डेब्यू पर खुशी भी जताई है। भुवन ने इसे अपने लिए सपना सच होने जैसा बताया है। भुवन ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर धर्मा के साथ साइन किए गए आर्टिस्ट एग्रीमेंट की एक तस्वीर शेयर की और अपने सपने के सच होने पर अपनी खुशी जाहिर की। अपने कैप्शन में उन्होंने सभी से बड़े सपने देखने का आग्रह किया।

लाइफ Style

उर्वशी

जागेश्वर धाम मंदिर में रुद्राभिषेक कर लिया आशीर्वाद

एजेंसी ▶▶ मुंबई

बॉलीवुड एक्ट्रेस उर्वशी रौतेला नैनीताल और अल्मोड़ा में अपने होमस्टेट का आनंद लेती दिखीं। उन्होंने नैनी झील में बोटिंग की, पहाड़ी व्यंजन चखे और जागेश्वर धाम, गोल्ज्यू मंदिर व कैंची धाम आश्रम में दर्शन कर आशीर्वाद लिया। इस दौरान फैंस ने उनके साथ सेल्फी और ऑटोग्राफ भी लिए. उर्वशी ने अपनी आने वाली फिल्मों और साउथ प्रोजेक्ट्स की अपडेट भी साझा की।

31 साल की बॉलीवुड एक्ट्रेस उर्वशी रौतेला इन दिनों उत्तराखंड की खूबसूरती का आनंद ले रही हैं। रविवार को उर्वशी ने न सिर्फ नैनी झील में बोटिंग का लुत्फ उठाया, बल्कि पारंपरिक पहाड़ी व्यंजन का स्वाद भी चखा। इससे पहले उर्वशी अल्मोड़ा के प्रसिद्ध जागेश्वर धाम मंदिर पहुंचीं, जहां उन्होंने भगवान शिव के ज्योतिर्लिंग के दर्शन किए और रुद्राभिषेक कर आशीर्वाद लिया। उर्वशी रौतेला अल्मोड़ा के चितई गोल्ज्यू मंदिर और कैंची धाम आश्रम भी गईं। यहां उर्वशी ने नीम करौरी बाबा के दर्शन किए। इस दौरान उर्वशी ने नैनीझील में वोटिंग का लुफ्त उठाया। उर्वशी को देखने के लिए नैनीझील पर लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी। लोगों ने उर्वशी रौतेला के साथ फोटो भी खींचवाई. इतना ही नहीं, उर्वशी के फैंस उनका ऑटोग्राफ भी लिया। उर्वशी ने अपने फैंस से बातचीत की और बच्चों के साथ समय बिताया, जिससे माहौल और भी उत्साही बन गया। बता दें, उर्वशी का पहाड़ों से हमेशा लगाव रहा है इस लिए वो आकर यहां आती रहती है। उन्होंने कहा कि नैनीताल का शांत वातावरण और मौसम उन्हें बेहद पसंद है। उन्होंने इसे अपना 'नौनिहाल' बताते हुए बचपन की यादों से जोड़कर अपनी भावनाएं साझा कीं।

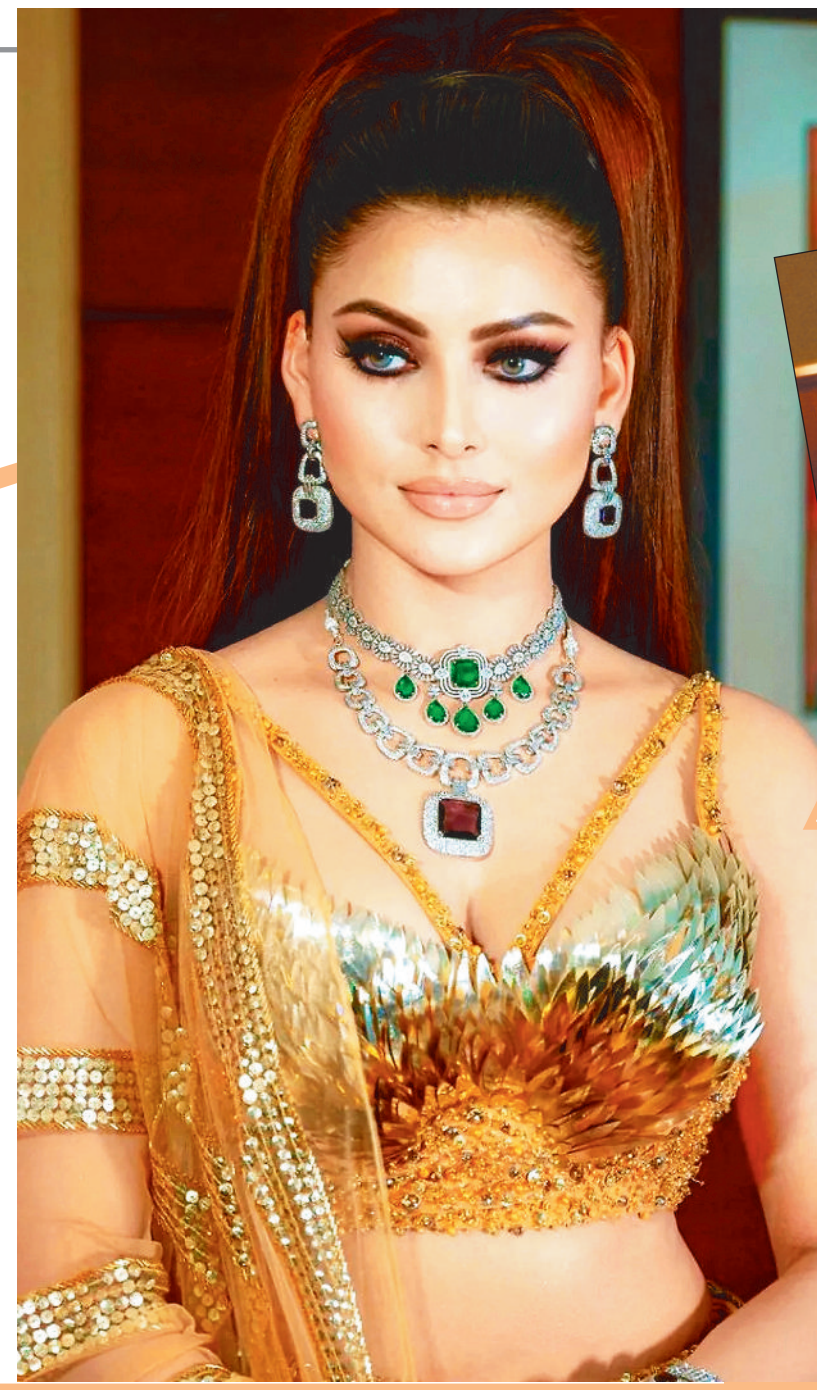

हॉलीवुड मसाला

शादी के बाद रिलीज किया

पहला गाना

लॉस एंजिल्स। गायिका और अभिनेत्री सेलेना गोमेज ने एक बार फिर अपने फैंस के लिए एक नया वीडियो पेश किया है। गोमेज ने शादी के बाद इस हफ्ते की शुरुआत में 'इन द डार्क' नाम के नए गाने को रिलीज किया है। उन्होंने इसका वीडियो भी जारी किया है। यह गाना 'नोबडी वांट्स दिस सीजन 2: द साउंडट्रैक' का हिस्सा है, जिसमें क्रिस स्टेपलटन, केसी मुसग्रेव्स और फिननेस जैसे कलाकार भी शामिल हैं। ल्यूक ऑरलैंडो द्वारा निर्देशित इस वीडियो में, गोमेज पूरी तरह से काले रंग की पोशाक पहने हुए बड़ी, खुली जगहों से गुजरती हुई दिखाई दे रही हैं।

भारत में चौथी बार कॉन्सर्ट करने आ रहे रैपर पिटबुल

लॉस एंजिल्स। अंतरराष्ट्रीय रैपर और सिंगर पिटबुल दिसंबर महीने में एक बार फिर भारतीय दर्शकों के सामने लाइव परफॉर्म करने आ रहे हैं। 'मिस्टर वर्ल्डवाइड'के नाम से मशहूर पिटबुल अपने नए टूर 'आई एम बैक' के तहत भारत के दो बड़े शहरों- गुरुग्राम और हैदराबाद में परफॉर्म करेंगे। इस म्यूजिकल टूर की शुरुआत 6 दिसंबर को गुरुग्राम के हुडा ग्राउंड से होगी, जिसके बाद 8 दिसंबर को पिटबुल हैदराबाद के रामोजी फिल्म सिटी में परफॉर्म करेंगे। पिटबुल का असली नाम आर्मांडो क्रिश्चियन पेरेज है। दुनिया भर में वह अपने हिट गानों 'टिंबर', 'होटल रूम सर्विस' और 'नो लो ट्राटेस' के लिए प्रसिद्ध हैं। उन्होंने भारत में इससे पहले 2011, 2017 और 2019 में परफॉर्म किया था और हर बार उनके कॉन्सर्ट्स में दर्शकों का जबरदस्त उत्साह देखने को मिला था।

पिंजर की रिलीज को पूरे हुए 22 साल

नई दिल्ली। उर्मिला मातोंडकर और मनोज बाजपेयी की साल 2003 में फिल्म पिंजर आई थी। रविवार को इस फिल्म की रिलीज को 22 साल पूरे हो चुके हैं। पिंजर बॉलीवुड की बेहतरीन और क्लासिक कल्ट फिल्मों में शामिल है। इसमें उर्मिला मातोंडकर और मनोज बाजपेयी ने अपने शानदार अभिनय से खूब वाहवाही लूटी थी। पिंजर को क्रिटिक्स ने खूब सराहा था। इसे काफी पसंद किया गया था। इसका निर्देशन चाणक्य जैसा कालजयी सीरियल बनाने वाले डायरेक्टर चंद्र प्रकाश द्विवेदी ने किया था। फिल्म 1947 में भारत-पाकिस्तान के बंटवारे पर आधारित थी। 22 साल पहले आई इस फिल्म में कलाकारों के अभिनय को काफी सराहा गया था. अगले साल इसने फिल्मफेयर अवॉर्ड भी जीता था। लेकिन, बॉक्स-ऑफिस पर ये मूवी औंधे मुंह गिरी थी।

ये रोमांटिक गीत दिल को पहुंचाता है सुकून

नई दिल्ली। मशहूर सिंगर हेमलता के गानों के करोड़ों लोग फैन हैं, उन्होंने भारतीय सिनेमा को कई बेहतरीन और यागदार गानों की सौगात दी है। 1978 में आए इस गाने को सिंगर हेमलता ने अपनी आवाज से सजाया था और रविंद्र जैन ने लिखा और इसे कंपोज किया था। यह गाना सचिन पिलगांवकर और रंजीता कौर पर फिल्माया गया था। गाने को उस वक्त जितना पसंद किया गया था यह आज भी उतना ही लोगों के दिलों पर राज करता है। हम जिस गाने की बात कर रहे हैं वो है अंखियों के झरोखों से। जी हां अंखियों के झरोखों से एक ऐसा गाना है जिसे आज की जनरेशन भी उतना ही पसंद करती है। इस गाने को अब तक यूट्यूब पर 228 मिलियन व्यूज मिल चुके हैं जिससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि यह सॉन्ग आज भी कितना पॉपुलर है।

टीवी मसाला

सतीश को साराभाई वर्सेस साराभाई की टीम ने दी अंतिम विदाई...

नई दिल्ली। 25 अक्टूबर को सीनियर एक्टर सतीश शाह ने इस दुनिया को अलविदा कहा। उनके निधन की वजह किडनी फेलियर बताई गई। 26 अक्टूबर को उनका अंतिम संस्कार किया गया और उन्हें अंतिम विदाई दी गई। इस मौके पर उनके पॉपुलर शो 'साराभाई वर्सेस साराभाई' की लीड कास्ट भी उन्हें श्रद्धांजलि देने साथ आई और उन्हें आखिरी सैल्यूट देते हुए अपने शो का टाइटल ट्रैक 'साराभाई वर्सेज साराभाई' गाया। इस गाने को गाते हुए रुपाली गांगुली बुरी तरह इमोशनल दिखीं और गाना खत्म होने के बाद तो वो खुद को संभाल ही नहीं पाईं। वहां मौजूद हर एक शख्स की आंखें नम थीं। राजेश कुमार भी खुद को संभालने के हालात में नहीं थे। सतीश शाह के निधन के बाद जब उनसे बात की गई तो उन्होंने कहा कि उन्हें ऐसा लग रहा है जैसे कि उन्होंने अपने पिता को खो दिया है। अनुपम खेर ने भी एक वीडियो शेयर कर सतीश के प्रति अपना प्यार और उनके निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया। अनुपम खेर ने बताया कि सतीश सेट पर हमेशा सभी को हंसाया करते थे और जनरल नॉलेज के मामले में तो कोई उनका सानी नहीं था। वह हर एक सवाल पर जवाब देते थे. शायद ही कभी ऐसा हुआ हो जब वो जवाब देने में नाकाम रहे हों। सतीश के दोस्त सचिन पिलगांवकर ने बताया कि उन्होंने किडनी ट्रांसप्लांट केवल इसलिए करावाया था, क्योंकि वे अपनी जिंदगी बढ़ाना चाहते थे ताकि पत्नी मधु शाह की देखभाल कर सकें। क्योंकि, उनकी पत्नी अल्जाइमर से जूझ रही हैं।

मृदुल की हरकत पर आगबबूला हुए सलमान

नई दिल्ली। हर हफ्ते शनिवार-रविवार को बिग बॉस 19 में वीकएंड का वार होता है, जिसमें शो के होस्ट सलमान खान आते हैं और प्रतियोगियों की हफ्ते भर की रिपोर्ट पेश करते हैं। शनिवार को अभिनेता ने कंटेस्टेंट को जमकर फटकार लगाई, जिसमें एक्टर सबसे ज्यादा मृदुल तिवारी पर भड़के। इसके अलावा सलमान ने मृदुल की हरकतों पर कहा कि बिग बॉस के घर में किसी की जान जा सकती थी। सलमान खान ने वीकएंड का वार में मृदुल तिवारी से कहा, 'आपने जो किया वो मजाक नहीं था। आपने पहले खुद अशनूर को छेड़ा, कि वो आपको पूल में डाले। फिर आप माइक निकालकर खुद तैयार हो गए। जब अशनूर ने ये किया तो आपने बदला लेना चाहा। मैं आपके बचकाने गेम्स के बारे में बीच में नहीं बोलता। लेकिन, आपके गेम्स की वजह से ना ही सिर्फ माइक्स खराब हुए, बल्कि आपने अशनूर पर तब पानी डाला जब उनके हाथ में एक हेयर ड्रायर था।' सलमान खान ने आगे कहा, 'आपको पता नहीं है कि हेयर ड्रायर में पानी चला जाता, तो क्या हो सकता था।'

कांतारा-2 बनी साल की सबसे कमाऊ फिल्म, 'छावा' का रिकॉर्ड तोड़ा

मुंबई। ऋषभ शेट्टी अभिनीत फिल्म 'कांतारा चैप्टर 1' ने अपने नाम एक और उपलब्धि दर्ज कर ली है। यह इस साल रिलीज होने वाली फिल्मों में नंबर वन की कुर्सी पर काबिज हो चुकी है। विक्की कौशल अभिनीत 'छावा' को धकेलकर 'कांतारा 2' ने यह स्थान कब्जाया है। अब तक 'छावा' इस साल की नंबर वन फिल्म थी। मगर, अब 'कांतारा चैप्टर 1' ने यह जगह छीन ली है।

25 दिनों में किया करिश्मा : 'कांतारा चैप्टर 1' फिल्म 2 अक्टूबर को थिएटर्स में रिलीज हुई थी। वर्ल्डवाइड ग्रॉस कलेक्शन के मामले में यह फिल्म पहले नंबर पर आ गई है। प्राप्त आंकड़ों में इसने अब तक 867 करोड़ रुपये वर्ल्डवाइड ग्रॉस कलेक्शन जुटा लिया है। फिल्म ने यह कारनामा अपनी रिलीज के 25 दिन के भीतर कर दिखाया है।

टॉप 10 की लिस्ट में चार हिंदी फिल्में शामिल : इस साल सबसे ज्यादा कमाई करने वाली टॉप 10 भारतीय फिल्मों में अब 'छावा' दूसरे नंबर पर हो गई है। वहीं, इस साल युवाओं के बीच लोकप्रियता बटोरने वाली 'सैयारा' 579.23 करोड़ रुपये वर्ल्डवाइड ग्रॉस कलेक्शन के साथ तीसरे नंबर पर है। टॉप 10 की लिस्ट में सिर्फ चार हिंदी फिल्मों ने उपस्थिति दर्ज की है। इनमें- छावा, सैयारा, वॉर और सितारे जमीन पर का नाम शामिल है।

भारतीय बॉक्स ऑफिस पर जलवा कायम: भारतीय बॉक्स ऑफिस पर भी 'कांतारा चैप्टर 1' धुआं उड़ा रही है। यह फिल्म 600 करोड़ क्लब में एंट्री लेने वाली है। सैकनिल्क की रिपोर्ट के मुताबिक अब तक भारत में इसने 583.92 करोड़ रुपये का नेट कलेक्शन कर लिया है। यह फिल्म साल 2022 में आई ऋषभ शेट्टी की फिल्म 'कांतारा' का ही प्रीक्वल है।

लैटिन बिलबोर्ड म्यूजिक अवॉर्ड्स में रैपर बैड का दबदबा

लॉस एंजिल्स। मियामी के मंच पर इस साल लैटिन संगीत का सबसे बड़ा उत्सव देखने को मिला। साल 2025 के लैटिन बिलबोर्ड म्यूजिक अवॉर्ड्स में जब विजेताओं की घोषणा हुई तो हर तरफ एक ही नाम सुनाई दे रहा था। वो नाम है- बैड बनी। जी हां, मशहूर रैपर बैड बनी ने एक ही रात में 11 अवॉर्ड्स जीतकर यह साबित कर दिया कि लैटिन म्यूजिक की दुनिया में वो बहुत आगे निकल चुके हैं।

बैड बनी को मिले कौन-कौन से अवॉर्ड्स? : दुनियाभर में 'टीटी मे प्रेगुंतो'जैसे गानों के लिए पहचान बना चुके रैपर बैड बनी ने इस दौरान आर्टिस्ट ऑफ द ईयर, सॉन्गराइटर ऑफ द ईयर और टॉप लैटिन एल्बम जैसे बड़े खिताब अपने नाम किए। उनका हालिया एल्बम देबी तिरार मास फोटोज दर्शकों के बीच रिकॉर्ड तोड़ लोकप्रियता हासिल कर चुका है और अब अवॉर्ड्स ने उसकी सफलता पर मुहर लगा दी है। केवल बैड बनी ही नहीं, बल्कि लैटिन म्यूजिक के दूसरे सितारे भी इस रात अपनी चमक बिखेरते नजर आए। राउ एलेजांद्रो को कई अहम श्रेणियों में फाइनलिस्ट घोषित किया गया, जिनमें आर्टिस्ट ऑफ द ईयर और टूर ऑफ द ईयर जैसी कैटेगरी शामिल थीं। वहीं, करोल जी ने भी अपने लोकप्रिय गीत 'सी आंतेस ते उबिएरा कोनोसीदो' के लिए पांच नामांकन हासिल किए और छह अवॉर्ड्स जीतकर महिलाओं के वर्ग में इतिहास रच दिया।

बैड ने जीत के बाद क्या कहा?

इस अवॉर्ड नाइट की खास बात यह रही कि लैटिन म्यूजिक ने न सिर्फ अपनी परंपरा बल्कि आधुनिकता का भी संगम पेश किया। मंच पर जब बैड बनी ने अपनी जीत का आभार व्यक्त किया, तो उन्होंने कहा, 'ये अवॉर्ड्स सिर्फ मेरे नहीं हैं, ये उन सभी कलाकारों के हैं जो लैटिन संगीत को विश्व मंच पर ले जा रहे हैं।' वहीं इस दौरान करोल जी ने भी मंच से कहा कि लैटिन महिलाओं के लिए यह दौर नया इतिहास लिखने का है- जहां आवाजें सीमाओं से परे जा रही हैं।

प्रमुख श्रेणियों के विजेताओं की सूची

अवॉर्ड श्रेणी	विजेता
आर्टिस्ट ऑफ द ईयर	बैड बनी
आर्टिस्ट ऑफ द ईयर (न्यू)	नेटन वेगा
टूर ऑफ द ईयर	शकिरा
क्रॉसओवर आर्टिस्ट ऑफ द ईयर	बेनी ब्लांको
ग्लोबल 200 लैटिन आर्टिस्ट ऑफ द ईयर	बैड बनी
ग्लोबल 200 लैटिन सॉन्ग ऑफ द ईयर	कारोल जी
हॉट लैटिन सॉन्ग ऑफ द ईयर	बैड बनी
हॉट लैटिन सॉन्ग्स आर्टिस्ट ऑफ द ईयर (पुरुष)	बैड बनी
हॉट लैटिन सॉन्ग्स आर्टिस्ट ऑफ द ईयर (महिला)	कारोल जी

शकिरा को 'टूर ऑफ द ईयर' का अवॉर्ड

शकिरा, जिनकी टूरिंग स्टाइल और मंच पर उपस्थिति आज भी दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर देती है, उन्हें इस दौरान 'टूर ऑफ द ईयर' का अवॉर्ड मिला। वहीं बेनी ब्लांको को क्रॉसओवर आर्टिस्ट ऑफ द ईयर का सम्मान मिला, जिन्होंने लैटिन और मुख्यधारा संगीत को आपस में जोड़ने में काफी अहम भूमिका निभाई है।

लोकगीतों से सजे छठ महापर्व की रौनक भोजपुरी इंडस्ट्री में भी छाई हुई है पूरी तरह

साड़ी पहन अक्षरा ने किया नहाय खाय, पवन ने जोड़े हाथ

मुंबई। भक्ति, आस्था और लोकगीतों से सजे छठ महापर्व की रौनक इस बार भोजपुरी इंडस्ट्री में भी पूरी तरह छाई हुई है। जैसे ही घाटों पर छठी मैया के गीत गूंजे, वैसे ही सोशल मीडिया पर भोजपुरी सितारों के वीडियो और तस्वीरें वायरल होने लगे। पवन सिंह, अक्षरा सिंह, आम्रपाली दुबे, दिनेश लाल यादव निरहुआ और काजल राघवानी जैसे कलाकार इस बार भी अपने-अपने अंदाज में भक्ति की छटा बिखेरते दिखे।

गानों से बढ़ाई श्रद्धा की मिठास

भोजपुरी सिनेमा के पावर स्टार पवन सिंह हर साल की तरह इस बार भी छठ महापर्व पर अपने नए गीतों के साथ हाजिर हुए। उन्होंने दो गाने रिलीज किए- 'घाट चले मोदी-नीतीश' और 'कौन कलमवां से लिखलवा करमवां'। गाने रिलीज होते ही सोशल मीडिया पर छा गए। पवन सिंह ने पोस्ट शेयर करते हुए लिखा, 'जय छठी मइया, सब पर कृपा बनाकर रखना।' उनके गीतों की लोकप्रियता इतनी है कि हर घाट पर अब उनके सुर गूंज रहे हैं। भक्ति और लोकधुन का यह संगम उनके फैंस के लिए किसी तोहफे से कम नहीं।

साझा किया नहाय खाय का वीडियो

भोजपुरी की लोकप्रिय अदाकारा अक्षरा सिंह ने एक बार फिर अपनी सादगी और श्रद्धा से लोगों का दिल जीत लिया। इस बार वह छठ पूजा में पारंपरिक साड़ी, मांग में सिंदूर और माथे पर बिंदी लगाए दुल्हन की तरह सजीं। अक्षरा ने इंस्टाग्राम पर वीडियो साझा करते हुए लिखा- नहाय-खाय छठ पूजा की

आम्रपाली और निरहुआ का इमोशनल वीडियो

इस बार छठ पर्व पर रिलीज हुआ आम्रपाली दुबे और दिनेश लाल यादव निरहुआ का म्यूजिक वीडियो सोशल मीडिया पर तहलका मचा रहा है। रिलीज के कुछ ही घंटों में इसे 2 मिलियन से ज्यादा व्यूज मिल चुके हैं। वीडियो में आम्रपाली एक गर्भवती महिला की भूमिका में नजर आती हैं, जो अपने बच्चे की सलामती के लिए छठी मैया से प्रार्थना करती है। गाने की कहानी, भावनाएं और लोकधुन दर्शकों को रुला देने वाली है। यही वजह है कि लोग इसे 'साल का सबसे भावनात्मक छठ गीत' कह रहे हैं।

आध्यात्मिक यात्रा की पहली सीढ़ी है। इस दिन व्रती मां छठी और सूर्य देव से आशीर्वाद मांगती हैं कि आने वाले चार दिनों तक वे नियम, भक्ति और शुद्धता बनाए रखें। यह आस्था का वह क्षण है जहाँ हर व्रती अपने जीवन की नकारात्मकता को पीछे छोड़, नवऊर्जा के साथ नई शुरुआत करती है।

काजल राघवानी ने बताया छठ का अर्थ

भोजपुरी इंडस्ट्री की एक और चर्चित एक्ट्रेस काजल राघवानी ने इस बार अपने सोशल मीडिया वीडियो में छठ के महत्व को बड़ी खूबसूरती से समझाया। उन्होंने कहा कि, "छठ मेरे लिए सिर्फ त्योहार नहीं, बल्कि एक भावनात्मक रिश्ता है जो मुझे मेरी मिट्टी, मेरे बचपन और मेरी मां से जोड़ता है।" उनके इस वीडियो को फैंस ने दिल से अपनाया और खूब शेयर किया।

भोजपुरी इंडस्ट्री में छठ का उत्सव

हर साल की तरह इस बार भी भोजपुरी फिल्म इंडस्ट्री छठ की भक्ति में रंगी हुई नजर आई। सितारों ने अपने-अपने अंदाज में छठी मइया के प्रति श्रद्धा व्यक्त की। कहीं घाटों पर लोकगीत गूंजे तो कहीं सोशल मीडिया पर गीतों और तस्वीरों का मेला लगा। भोजपुरी कलाकारों का यह जोश और भक्ति भाव बताता है कि ये त्योहार केवल धार्मिक नहीं, बल्कि भावनाओं और संस्कृति का उत्सव है।

खबर संक्षेप

रीवापारा में आज होगी स्टाईल डांस स्पर्धा

कोसीर। ग्राम रीवापार में आज रात बूगी बूगी डांस प्रतियोगिता का आयोजन होगा। यह स्पर्धा ग्रामवासियों के लिए विशेष कार्यक्रम माना जाता है जिसे लेकर गांव में भारी उत्साह दिखाई देते है और तैयारी करते हैं। आसपास दूरदराज से लोग इसका आनंद लेने के लिए पहुंचते हैं। इस कार्यक्रम का मुख्य अतिथि सारंगढ़ विधायक उतरी गनपत जांगडे, जिला पंचायत सदस्य संतोषी अरविंद खटकर हों। वहीं विशिष्ट अतिथि के रूप में जनपद सदस्य हेमा विश्वनाथ, वसंत नन्द राम लहरे, नोनी बाई, सिया राम, अंनत पुनिक, अंनत रंजीत रात्रे होंगे। वहीं कार्यक्रम की अध्यक्ष ता ग्राम सरपंच अनिता श्याम सुंदर निराला करेंगे कार्यक्रम को लेकर भोजन की विशेष व्यवस्था की गई है।

बिना सूचना कि जनसुनवाई का ग्रामीणों ने किया विरोध

राउरकेला। चूँगीमाटी पंचायत कार्यालय में शनिवार को अग्रसेन स्पंज प्राइवेट लिमिटेड के विस्तार प्रस्ताव पर राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड व जिला प्रशासन की ओर से जनसुनवाई आयोजित की गई। लेकिन यह जनसुनवाई विवादों में घिर गई, क्योंकि लाठी कटा ब्लॉक के पांच पंचायतों कलुंगा क कलुंगा ख चिकटमाटी, बलंडा, लुंगाई और सागजोर के ग्रामीणों ने विरोध दर्ज कराया। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष डॉ राजकुमार यादव ने कहा कि कुछ अधिकारी जनसुनवाई को पैकेज के आधार पर निर्धारित कर रहे हैं, जिसमें जनमानस की भावनाओं के विरुद्ध कार्रवाई के तहत निर्णय ली जाती है। इस तरह की जनसुनवाई बंद हो एवं उस ऑफिसर के नेतृत्व में किए गए सारे जनसुनवाई की पूर्ननिरीक्षण के साथ ही संपत्ति की भी जांच हो।

दूसरे चरण में 6 खदानों की होगी ई नीलामी

रायगढ़। रेत खदानों के आवंटन की पूरी प्रक्रिया अब ऑनलाइन माध्यम ई नीलामी प्रणाली से की जाएगी। इस नियम के अंतर्गत रायगढ़ जिले में दसूरे चरण में 6 रेत खदानों का आवंटन किया जाएगा। इसमें औंराभाठा, दर्रामुड़ा, जोगड़ा, कारीछापर, रीलो और सहजपुरी शामिल है। इन रेत खदानों का आवंटन ई नीलामी से होगी। इलेक्ट्रानिक नीलामी रिवर्स ऑक्शन के लए तकनीकी एवं वित्तीय बोली, 7 दिन के भीतर एमएसटीसी पोर्टल के माध्यम से जमा कर सकते हैं। इलेक्ट्रानिक नीलामी में भाग लेने के लिए आवेदक का डिजिटल सिग्नेचर क्लास 3 साईनिंग एण्ड इनक्रिप्सन, बैंक में आवेदक के स्वयं के नाम से खाता, छत्तीसगढ़ का मूल निवास प्रमाण पत्र, पैन कार्ड, टिन नंबर, जीएसटीएन, आधार कार्ड एवं 2 शपथ पत्र आदि दस्तावेजों की जरुरी है।

नदी में डूबने से हमीरपुर के युवक की मौत

राउरकेला। इस्पात नगर क्षेत्र के सेक्टर 19 थाना अंतर्गत हमीरपुर निजटस्थ कुम्भार बस्ती के निवासी सुनील सिंह 31 रविवार को कोयल नदी में नहाने के दौरान डूब गए। घटना की जानकारी मिलते ही अग्निशमन विभाग के अधिकारी एवं कर्मी घटनास्थल पर पहुंचे और पानी से मृतक का शव बरामद किया। घटना के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हेतु भेजा, साथ ही मामले की जांच शुरू कर दी। इस संबंध में रघुनाथपाली विधायक मृतक के घर पहुंचे और परिवार को सांत्वना दी।

स्कूटर ठगी के आरोपी गिरफ्तार

राउरकेला। सेक्टर-3 पुलिस थाना में 12 अक्टूबर को दर्ज शिकायत के आधार पर पुलिस ने 23 वर्षीय अमान अधिकारी, पुत्र मनोज कुमार अधिकारी, निवासी कवि सम्राट पल्ली सेक्टर-5 राउरकेला को गिरफ्तार किया। शिकायतकर्ता रुषिकेश राजेश डांडले (21) एन आई टी राउरकेला के छात्र ने बताया कि उन्होंने 30 जुलाई 2023 को फ्यूचर मोटर्स से इलेक्ट्रिक स्कूटर खरीदा था। वाहन में समस्या आने पर उन्होंने बीते 20 सितंबर को अमान अधिकारी से मरम्मत के लिए संपर्क किया। आरोपी ने 21 सितंबर को 500 अग्रिम लेने के बाद स्कूटर ले लिया और 5 अक्टूबर को फिर से 500 की मांग की, लेकिन वाहन लौटाया नहीं। तब से आरोपी का मोबाइल बंद रखा।

मुख्यमंत्री श्री साय ने पर्यटन को बढ़ावा देने दिए निर्देश

जशपुर बना छत्तीसगढ़ का रॉक क्लाइम्बिंग हब, देशदेखा ने बढ़ाई रोमांच की ऊचाइयां

हरिभूमि न्यूज ⏭ जशपुरनगर

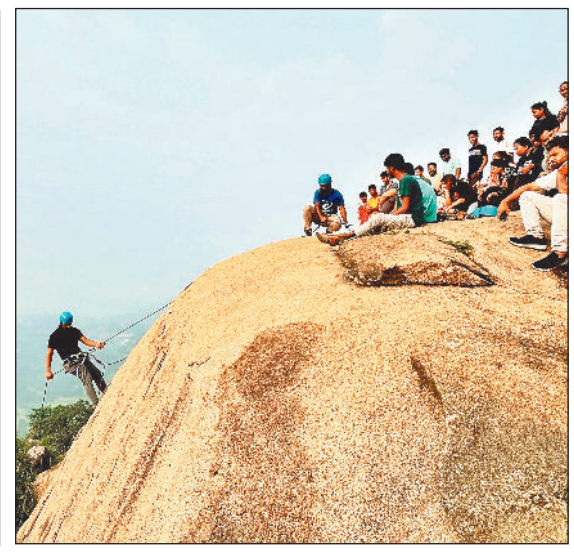

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय पर्यटन को बढ़ावा देने के निर्देश दिए हैं। इसी कड़ी में जशपुर अब सिर्फ अपनी प्राकृतिक सुंदरता और जनजातीय संस्कृति के लिए ही नहीं, बल्कि रोमांचक पर्यटन के लिए भी पहचाना जाने लगा है। जशपुर के "देशदेखा क्लाइम्बिंग सेक्टर" ने इस दिशा में एक नया मील का पत्थर स्थापित किया है। यह स्थान अब उन साहसिक यात्रियों का पसंदीदा गंतव्य बन रहा है जो रॉक क्लाइम्बिंग के साथ प्रकृति की शांति को भी महसूस करना चाहते हैं।

देशदेखा क्लाइम्बिंग सेक्टर को इस तरह विकसित किया गया है कि यह शुरुआती पर्वतारोहियों से लेकर अनुभवी क्लाइंबर्स तक, सभी के लिए चुनौतीपूर्ण और रोमांचक अनुभव प्रदान करे। यहाँ प्राकृतिक चट्टानों पर विभिन्न प्रकार की क्लाइम्बिंग रूट्स तैयार किए गए हैं, जिनमें क्रैक क्लाइम्ब, स्लैब, वर्टिकल फेस और ओवरहैंग जैसी विविध चुनौतियाँ शामिल हैं। हर चढ़ाई के साथ पर्यटकों को घने जंगलों और जशपुर की हरी-भरी पहाड़ियों का मनमोहक दृश्य देखने को मिलता है, जो अनुभव को और भी यादगार बना देता है। इस क्षेत्र में सुरक्षा और स्थिरता को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई है। प्रशिक्षित गाइड्स और प्रमाणित क्लाइम्बिंग इंस्ट्रक्टर्स की देखरेख में चढ़ाई करवाई जाती है। आधुनिक उपकरण, सेफ्टी रोप्स और अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुसार बनाए गए सुरक्षा प्रोटोकॉल यहां की प्रमुख विशेषताएँ हैं। पर्यटकों को एक ऐसा अनुभव देने की कोशिश की गई है जो रोमांचक होने के साथ-साथ सुरक्षित भी हो। देशदेखा क्लाइम्बिंग सेक्टर का एक और महत्वपूर्ण पहलू यह है कि इसका विकास स्थानीय समुदायों की भागीदारी से किया गया है। यहाँ के ग्रामीण और जनजातीय लोग इस परियोजना का हिस्सा बने हैं, जिससे उन्हें रोजगार और प्रशिक्षण के अवसर मिले हैं। यह पहल न केवल एडवेंचर पर्यटन को प्रोत्साहित करती है, बल्कि पर्यावरण और समुदाय-केंद्रित विकास का उदाहरण भी प्रस्तुत करती है। प्राकृतिक रूप से समृद्ध यह क्षेत्र वन्यजीवों, झरनों और पहाड़ी दृश्यों से घिरा हुआ है। सुबह की धूप में चमकती चट्टानें और शाम के समय सुनहरी घाटियाँ यहाँ आने वाले हर यात्री को मंत्रमुग्ध कर देती हैं। अक्टूबर से मार्च तक का मौसम रॉक क्लाइम्बिंग के लिए सबसे उपयुक्त माना जाता है। इस दौरान हवा ठंडी और साफ होती है, जिससे चढ़ाई का अनुभव और भी सुखद हो जाता है।

जशपुर प्रशासन और स्थानीय पर्यटन संगठनों की यह संयुक्त पहल न केवल राज्य के एडवेंचर पर्यटन मानचित्र पर जशपुर को विशेष स्थान दिला रही है, बल्कि यह दर्शा रही है कि अगर स्थानीय संसाधनों को संवेदनशीलता और दूरदर्शिता से विकसित किया जाए, तो छोटे-छोटे पहाड़ी इलाकों को भी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाई जा सकती है। देशदेखा क्लाइम्बिंग सेक्टर सिर्फ एक एडवेंचर साइट नहीं, बल्कि यह जशपुर के उस आत्मविश्वास का प्रतीक है जो अपनी प्राकृतिक और सांस्कृतिक धरोहर को सम्मान देते हुए आधुनिक पर्यटन की दिशा में आगे बढ़ रहा है। यहाँ आकर पर्यटक न सिर्फ चढ़ाई का आनंद लेते हैं, बल्कि "प्रकृति के साथ सह-अस्तित्व" के उस दर्शन को भी महसूस करते हैं, जो जशपुर की मिट्टी में गहराई से बसा है

जिला खेल संघ ने प्रभारी मंत्री को भेंट किया प्रतीक चिन्ह

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोसीर

सारंगढ़ बिलाईगढ़ जिले में पधारे जिले के प्रभारी मंत्री टंकराम वर्मा का आगमन हुआ। जो तेजस कोचिंग सेंटर गढ़चौक के उद्घाटन समारोह के पश्चात कार्यक्रम स्थल में जिला खेल संघ और वरिष्ठ खिलाड़ियों ने खेल भाटा स्टेडियम को व्यवस्थित और सुरक्षित करने की दिशा पर जिला कलेक्टर को दिए निर्देश। कलेक्टर एवं जिला प्रशासन द्वारा उसे मूर्त रूप प्रदान करने को लेकर जिले के प्रभारी मंत्री टंक राम वर्मा का जिला खेल संघ ने आभार जताया और उन्हें स्मृति चिन्ह भेंट किया।

गौरतलब हो की प्रभारी मंत्री के आगमन पर जिला खेल संघ के पदाधिकारी ने खेल भाटा मैदान को चारों ओर से लोहे के एंगल लगाकर सुरक्षित करने पानी की व्यवस्था और गेट लगाने की मांग रखी थी। महिला खिलाड़ियों ने चेंजिंग रूम की बात कही थी, जिस पर तत्काल प्रभारी मंत्री ने जिला कलेक्टर को निर्देशित कर उक्त कार्य जल्द पूरा करने के निर्देश दिए थे। जिस पर जिला कलेक्टर संजय कन्नौजे ने अथक प्रयासों के साथ उक्त खेल मैदान को संवारने की दिशा पर एक अनुकरणीय पहल की और सारंगढ़ का खेल भाटा विशालकाय स्टेडियम सारंगढ़ का एक हृदय स्थल बन गया है। जिसकी जन चर्चा आज लोगों के अपनी जुबान पर है और जो जिला प्रशासन और शासन का शुक्रिया अदा कर रहे हैं। उक्त विषयों को लेकर आज जिला खेल संघ ने प्रभारी मंत्री को आभार पत्र सौंपकर कहा कि आपके दिशा निर्देश में अथक प्रयासों से खिलाड़ियों को उनका वास्तविक अधिकार मिला है। खेल संघ के साथ स्पोर्ट्स क्लब जिले के खेल अधिकारी खेल विभाग खिलाड़ी और खेल प्रेमी आभार व्यक्त करते हैं और एक फुटबॉल खेलते हुए खिलाड़ी स्वरूप प्रतीक चिन्ह आपको भेंट करते हैं। जिले के प्रभारी मंत्री ने जिसे सहर्ष स्वीकार किया सम्मान करने के लिए सभी खेल संघ और वरिष्ठ खिलाड़ियों का धन्यवाद दिया।

एनएसएस शिविर में शिविरार्थी दे रहे शासन की योजनाओं की जानकारी

पुसौर। पुसौर जनपद क्षेत्र के ग्राम महलोई में चल रहे अभिनव स्कूल के एनएसएस शिविर में वहां के स्वयं सेवकों द्वारा जहां प्रतिदिन सुबह उठते ही प्रार्थना सभा, व्यायाम, आस पास की सफाई व प्रभातफेरी जैसे कार्यक्रम को बड़े ही सलिके व निष्ठा पूर्वक अंजाम तक पहुंचाते रहे हैं वहीं दूसरे टाईम सामूहिक भोजन निर्माण, खेलकूद सनातनी एवं समाज के विकास से जुड़े सांस्कृतिक कार्यक्रम करते रहे हैं।

इस बीच बौद्धिक चर्चा एवं अन्य कार्यक्रम के अंतर्गत उक्त छात्रों द्वारा शासन द्वारा गरीब तपकों के लिए चलाए जा रहे कल्याणकारी योजनाओं का धरातल में कैसे क्रियान्वित हुआ है और लाभार्थी उसका लाभ कैसे उठा रहे हैं साथ ही उनका जीवन स्तर में क्या सुधार आया है इसे भी जानने का अवसर प्राप्त हो रहा है। जानकारी के मुताबिक आयुष्मान कार्ड, पीएम आवास, स्वच्छ भारत मिशन के तहत निर्माण हुए शौचालय,

शासकीय राशन दुकानों में मिल रहे राशन आदि के संबध में जानकारी प्राप्त किया। इसकी जानकारी लेते हुए इन्होंने लोगों से मिलकर शासकीय सुविधाओं का उचित उपयोग करने लोगों से चर्चा की। खुले में शौच न करने, शासन से मिले राशन का दुरूपायेग न करने, पीएम आवास के राशि मकान बनाने में ही उपयोग करने की जानकारी दी। बीते शनिवार के शिविर में ये सारे तथ्य लोगों के साथ छात्रों ने साझा किया। बौद्धिक एवं वैचारिक परिचर्चा में प्रोफेसर रविन्द्र कोर, क्षेत्र के अधिमान्य पंडित व सेवा निवृत्त प्रधान पाठक गुणनिधि सतपथी, सेवा निवृत्त शिक्षक जयराम प्रधान, शिक्षक हिमांचल दुबे शामिल हुए। जिन्होंने सदमार्ग पर चलने, योग्य नागरिक बनने, सेवाभावी प्रवृत्ति से ओतप्रोत होने जैसे महत्वपूर्ण सीख छात्रों को दिया। इस अवसर पर अभिनव स्कूल के प्राचार्य अक्षय कुमार सतपथी, कार्यक्रम अधिकारी विश्वजीत साव, दिलचंद साव, केदार देहरी, श्रमती शकुंतला प्रधान एवं 50 की संख्या में स्वयं सेवक उपस्थित रहे। ज्ञात हो कि महलोई में चल शिविर के कारण एक उल्लासमय वातावरण का संचार हुआ है। जिसमें प्रतिदिन ग्रामीण जन शिविर में शामिल एनएसएस के स्वयं सेवकों को देखने उनके दिनचर्या जानने के लिए उत्सुक रहते हैं। ग्रामीण जन इसके लिए अपनी हर संभव सेवा इन्हे मुहैया कराने के लिए हमेशा तैयार रहते हैं जबकि यहां शिविर संचालन करने के पूर्व संस्था प्रमुख अक्षय कुमार सतपथी एवं एनएसएस के पदाधिकारीयों द्वारा दिनचर्या से जुड़े प्रत्येक आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए समूचित व्यवस्था किया।

कॉलेज और स्कूल खोलने की मांग

कोसीर। जनपद सदस्य श्रीमती हीरा भैरव नाथ जाटवर ने कोसीर क्षेत्र के विकास के लिए सारंगढ़ आगमन पर आए उच्च शिक्षा मंत्री व जिला प्रभारी मंत्री टंकराम वर्मा को ज्ञापन सौंप कर मांग की। कोसीर में कई सालों सें कॉलेज की मांग की जा रही है, लेकिन आज तक सिर्फ आश्वासन ही मिला। जबकि इस क्षेत्र की जनप्रतिनिधि गण कई बार अपने अपने माध्यम से क्षेत्र की विकास के लिए प्रयास व मांग कर चुके है। यहां तक की कोसीर में महाविद्यालय बनाने के लिए दो बार निरीक्षण भी किया जा चुका है। कोसीर जनपद सदस्य हीरा भैरवनाथ जाटवर ने सारंगढ़ आगमन पर प्रभारी मंत्री टंकराम वर्मा को ज्ञापन देकर कोसीर में महाविद्यालय कन्या हायरसेकन्डरी व कन्या पोस्ट मैट्रिक छात्र वास की मांग की है।

कोटवार संघ के पदाधिकारियों ने ली सेवा और निष्ठा की शपथ

खरसिया। खरसिया ऑडिटोरियम में कोटवार संघ का शपथ ग्रहण समारोह हुआ। इस अवसर पर क्षेत्र के अनेक जनप्रतिनिधि, अधिकारी एवं कोटवार वर्ग बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में नगर पालिका अध्यक्ष कमल गर्ग उपाध्यक्ष बंटी सोनी उपस्थित रहे। वहीं प्रशासनिक अधिकारियों में एसडीएम प्रवीण तिवारी, एसडीओपी प्रभात पटेल शामिल हुए।

कोटवारों के महत्व पर कार्यक्रम को संबोधित करते हुए एसडीएम ने कहा कि कोटवार प्रशासन की रीढ़ हैं, जो शासन और जनता के बीच सबसे अहम कड़ी के रूप में कार्य करते हैं। उन्होंने कहा कि कोटवारों की सूचना देने की भूमिका प्रशासनिक व्यवस्था में अत्यंत महत्वपूर्ण है चाहे वह गांव में किसी घटना की जानकारी देना हो अपराध की सूचना देना हो या सरकारी योजनाओं का क्रियान्वयन सुनिश्चित करना। एसडीएम तिवारी ने

कोटवारों को निर्देश दिया कि वे हर घटना निर्माण कार्य या असामाजिक गतिविधि की त्वरित जानकारी संबंधित राजस्व और पुलिस विभाग को दें, ताकि समय पर कार्रवाई की जा सके। उन्होंने कहा कि कोटवार का सक्रिय रहना ही शासन की सशक्त निगरानी का आधार है। नशा मुक्ति और साइबर सुरक्षा पर एसडीओपी प्रभात पटेल ने कोटवारों को साइबर अपराधों की जानकारी आम नागरिकों तक पहुँचाने की अपील की। उन्होंने कहा कि आज के डिजिटल युग में जागरूकता ही सबसे बड़ा सुरक्षा कवच है। वहीं नगरपालिका अध्यक्ष कमल गर्ग और उपाध्यक्ष बंटी सोनी ने नशा मुक्ति अभियान को जन आंदोलन के रूप में आगे बढ़ाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि कोटवार ग्रामीण स्तर पर समाज को नशे से मुक्त बनाने में अहम भूमिका निभा सकते हैं।

कोटवारों ने ली जनता की सेवा का शपथ

शपथ ग्रहण समारोह में नवनिर्वाचित अध्यक्ष एवं पदाधिकारियों ने ईमानदारी, अनुशासन और जनता की सेवा का संकल्प लिया। उन्होंने कहा कि वे शासन की योजनाओं को जन जन तक पहुँचाने में पूरी निष्ठा से कार्य करेंगे।

लुड़ेग के टमाटर की बढ़ती मांग, ओड़िशा, बंगाल और बिहार-झारखंड तक जा रही खेप

जशपुरनगर। पत्थलगांव विकासखंड क्षेत्र के ग्राम पंचायत लुड़ेग के टमाटर ने अब सिर्फ स्थानीय नहीं, बल्कि पड़ोसी राज्यों में भी अपनी पहचान बना ली है।

जहां लुड़ेग क्षेत्र में टमाटर की पैदावार इस सीजन में थोड़ी कम रही है, जिसका मुख्य कारण बरसात और मौसम का अनियमित होना बताया जा रहा है। लुड़ेग के किसानों के अनुसार, बावजूद इसके टमाटर की मांग काफी बढ़ गई है। खासकर ओड़िशा, पश्चिम बंगाल, बिहार और झारखंड में लुड़ेग के टमाटर की खेप निरंतर जा रही है।

लुड़ेग की मंडियों में 26 किलो टमाटर भार की

कीमत लगभग 700 से 800 रुपये तक बिक रही है। लुड़ेग के किसान उम्मीद कर रहे हैं कि बाजार की यह मजबूती उन्हें अच्छी आमदनी देगी।

लुड़ेग के व्यापारी सुनिल यादव का कहना है कि लुड़ेग के टमाटर की लालिमा, स्वाद और टिकाऊपन के कारण खरीदार बड़ी मात्रा में इसे पड़ोसी राज्यों में भेज रहे हैं। सुनिल यादव ने बताया, बरसात के कारण पैदावार थोड़ी कम जरूर हुई है, लेकिन लुड़ेग के टमाटर की डिमांड इतनी है कि हम लगातार ओड़िशा, बंगाल, बिहार और झारखंड के ऑर्डर पूरा कर रहे हैं। लुड़ेग का टमाटर अब सिर्फ लुड़ेग की स्थानीय मंडियों तक सीमित नहीं रहा। यह पड़ोसी राज्यों तक पहुँचकर लुड़ेग के किसानों और व्यापारियों के लिए लाभ का नया रास्ता खोल रहा है, और 26 किलो भार की कीमत 700 रुपए तक बिक रही है और आने वाले दिनों में इसकी कीमत में उछाल होने की पूरी संभावना है।

वैश्य समाज के प्रदेश अध्यक्ष बनाए जाने पर अनोज का सम्मान

जशपुरनगर। जशपुर जिले के युवा कांग्रेसी नेता एवं समाजसेवी अनोज गुप्ता को अखिल भारतीय वैश्य समाज का प्रदेश अध्यक्ष बनाए जाने पर आज जशपुर में भव्य सम्मान समारोह आयोजित किया गया।

इस अवसर पर जशपुर के पूर्व विधायक विनय भगत, भूतपूर्व नगर पालिका अध्यक्ष मा. हीरू राम निकुंज, एवं मनोरा ब्लॉक के पूर्व जनपद उपाध्यक्ष मा. संजीव भगत सहित समस्त कांग्रेस परिवार के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। सभी ने फूल माला पहनाकर और शाल ओढ़ाकर अनोज गुप्ता का गर्मजोशी से स्वागत एवं अभिनंदन किया। कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने कहा कि अनोज गुप्ता ने हमेशा समाज और संगठन के लिए सक्रिय भूमिका निभाई है। उनकी युवाशक्ति, नेतृत्व क्षमता और सेवा भावना को देखते हुए संगठन ने उन्हें यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी है। सम्मान समारोह में कांग्रेसजनों ने उनके उज्ज्वल भविष्य और सफल कार्यकाल की शुभकामनाएँ दीं। इस अवसर पर जिले के अनेक समाजसेवी, व्यापारी वर्ग के प्रतिनिधि, युवा कार्यकर्ता एवं वैश्य समाज के गणमान्य नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित थे। अनोज गुप्ता ने इस अवसर पर अपने संबोधन में कहा कि "यह सम्मान केवल मेरा नहीं, बल्कि पूरे जशपुर और वैश्य समाज का सम्मान है। मैं संगठन और समाज की अपेक्षाओं पर खरा उतरने का हरसंभव प्रयास करूंगा।" कार्यक्रम का संचालन कांग्रेस के वरिष्ठ कार्यकर्ता द्वारा किया गया तथा अंत में उपस्थित जनों का आभार व्यक्त किया गया।

धरमजयगढ़ में आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान

विधानसभा स्तरीय सम्मेलन का किया गया आयोजन

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायगढ़

आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान के तहत विधानसभा स्तरीय सम्मेलन का आयोजन धरमजयगढ़ नीचे पारा स्थित मंगल भवन में सपन्न हुआ। जिसमें मुख्य वक्ता के रूप में राज्यसभा सांसद देवेन्द्र प्रताप सिंह, लोकसभा सांसद राधेश्याम राठिया, राज्य मंत्री दर्जा प्राप्त सुरेंद्र कुमार बेसरा की उपस्थिति रही। अपने उद्बोधन में राज्य सभा सांसद देवेंद्र प्रताप ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सपने का जिक्र करते हुए कहा कि वर्ष 2047 के दौरान जब भारत अपनी आजादी की शताब्दी वर्ष मनाएगा तब तक हमारा देश पूरी तरह आत्मनिर्भर और समृद्ध राष्ट्र बन जाए।

सांसद राधेश्याम राठिया ने भी अपने उद्बोधन में आत्मनिर्भर भारत के विषय में बताया हर व्यक्ति को तो देशी उत्पादों के उपयोग कर अपनी आहुति देनी होगी स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए लोगों को इस हिसाब में प्रेरित करना होगा। आज विश्व स्तर पर भारत निर्मित हथियारों की चर्चा हो रही है। भारत मोबाइल निर्माता बन गया है। जिला अध्यक्ष अरुण धर दीवान ने कहा कि आत्मनिर्भर भारत महज एक नारा नहीं बल्कि राष्ट्र के पुनर्निर्माण का संकल्प है। वही सुरेंद्र कुमार बेसरा ने अपने उद्बोधन में स्थानीय उत्पादन कृषि कुटीर उद्योग और हस्तशिल्पी को प्रोत्साहन देकर इस दिशा में बड़ा कदम उठाया जा सकता है। गांव-गांव और घर-घर ताकि अभियान को पहुंचाने की जिम्मेदारी कार्यकर्ताओं की है सम्मेलन के दौरान मंच पर स्वदेशी अपनाओ के नारे के साथ आत्मनिर्भर भारत का संकल्प लिया गया। इस सम्मेलन में धरमजयगढ़ क्षेत्र में लोकल से वोकल की भावना को नई ऊर्जा दी और उपस्थित सभी ने आत्मनिर्भर बनाने हेतु संकल्प लिया। मंच का संचालन जिला उपाध्यक्ष गोकुल नारायण यादव ने की वही आभार प्रदर्शन जनपद पंचायत अध्यक्ष लीनव राठिया ने किया आज के इस कार्यक्रम में किसान मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष टीकाराम पटेल जिला भाजपा के उपाध्यक्ष नरेश पंडा, गोकुल नारायण यादव, महामंत्री जतिन साव, मंडल के अध्यक्ष भरत लाल साहू, कापू मण्डल के अध्यक्ष नीरज शर्मा समेत अन्य पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।